अमर उजाला

लखनऊ। बृहस्पतिवार। 4 दिसंबर 2014

आईआईएसआर निदेशक को चीन में लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में लखनऊ के वैज्ञानिक का सम्मान

यूपी गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक

लखनऊ(ब्यूरो)। गन्ना अनुसंधान के क्षेत्र में राजधानी के वैज्ञानिकों की गूंज चीन में भी सुनाई दी। चीन के नैनिंग शहर में हाल ही में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में लखनऊ स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ शुगरकेन रिसर्च (आईआईएसआर) के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया।

यह अवॉर्ड उन्हें चीन में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल्स एंड शुगर टेक्नोलाजी की कांफ्रेंस में दिया गया। इससे संस्थान के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई। इसी कांफ्रेंस में संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके साह द्वारा 'भारत में गन्ना विकास मॉडल' विषय पर पढ़े गए पेपर को सर्वोत्तम पोस्टर प्रजेंटेशन में शामिल किया गया। संस्थान द्वारा विकसित कंप्यूटर आधारित प्रणाली 'केनडेस' व आधुनिक गन्ना मशीनों की तकनीक को भी 'सर्वोत्तम पोस्टर' का पुरस्कार मिला। यह कांफ्रेंस 25-28 नवंबर के बीच हुई। इसमें डॉ. सोलोमन के साथ भारत के 16 वैज्ञानिकों की टीम शामिल हुई। कांफ्रेंस में यूपी कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के महानिदेशक प्रो. राजेंद्र कुमार ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने गन्ने की खेती से देश केकिसानों के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव पर अपना पेपर पढ़ा। बताया गन्ने के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने गन्ने की सामूहिक खेती की जरूरत बताई। उनके मुताबिक यूपी गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक है।

कल्पतरु एक्सप्रेस
लखनऊ, गुरुवार, 4 दिसम्बर 2014

डॉ. सोलोमन चीन में पुरस्कृत

कल्पतरु समाचार सेवा

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीकों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का मान बढ़ाया है। इसके लिए संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन को चीन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लाइफ-टाइम उपलब्धि' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इतना ही नहीं, संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साह को 'भारत में गन्ना विकास मॉडल' पर सर्वोत्तम शोधपत्र के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कम्प्यूटर आधारित विशेषज्ञ प्रणाली केनडेस व आधुनिक गन्ना मशीनों पर प्रस्तुत शोध पत्रों को सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार से नवाजा गया है।

चीन के नानिंग शहर में 'विकासशील देशों में चीनी एवं समेकित उद्योगों के टिकाऊ विकास' विषय पर एक तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। 25 से 28 नवम्बर तक आयोजित इस संगोष्ठी में डॉ. सुशील सोलोमन की अध्यक्षता में भारत के 16 गन्ना वैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों ने भाग लिया। वहीं, संगोष्ठी में कई देशों सहित मेजबान चीन को मिलाकर 200 से अधिक गन्ना वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने भाग लिया। यहां पर विश्व के विभिन्न देशों में उपलब्ध गन्ना

भारतीय गन्ना अनुसंधान के निदेशक को मिला लाइफ-टाइम उपलब्धि पुरस्कार

वरिष्ठ वैज्ञानिक एके साह सर्वोत्तम शोध-पत्र के लिए हुए सम्मानित

चीन में आयोजित हुई तीन दिवसीय अन्तराष्ट्रीय गन्ना संगोष्ठी

संगोष्ठी में 18 देशों के 200 से अधिक वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने साझा किए विचार

व चीनी उत्पादन तकनीकों पर गहन विचार-विमर्श के साथ भविष्य में विश्व स्तर पर गन्ना तथा चीनी उत्पादकता को और अधिक बेहतर करने की तकनीक व रणनीतियों का आदान-प्रदान किया गया। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा आविष्कृत तकनीकों, शोध पत्रों तथा जानकारी को संगोष्ठी में भाग ले रहे वैज्ञानिकों ने सराहा।

चीन में गन्ना खेती, गन्ना कटाई व चीनी उत्पादन के क्षेत्र में प्रयोग किए जा रहे विभिन्न तकनीकों और कार्यों को समझने के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों ने गन्ना खेतों व चीनी मिल का भी दौरा किया। वर्तमान समय में चीन में चीनी परता लगभग 12-13 प्रतिशत है, जो भारत व अन्य विकासशील देशों में औसत चीनी परता 10-10.5 प्रतिशत की अपेक्षा काफी अधिक है। चीन की कटाई, सप्लाई व पेराई व्यवस्था को अपने देश में अपनाकर चीनी परता 1-2 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है।

सामूहिक खेती और मशीनीकरण जरूरी: कुमार

उपकार के महानिदेशक प्रो. राजेन्द्र कुमार ने अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी पर में गन्ना उत्पादन की स्थिति, बाधाएं व भविष्य में किए जाने वाले कार्यों के संदर्भ में बताया कि गन्ना व उससे संबंधित क्षेत्रों में कार्य किए जाने की अपार संभावनाए हैं। देश में गन्ना की सामूहिक खेती पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इससे गन्ना की खेती में मशीनीकरण किया जा सकता है, जिससे इसके औद्योगिकीकरण में सहायता मिलेगी। देश में उप्र सबसे अधिक गन्ना उत्पादन करने वाला प्रदेश है व 24 लाख हेक्टेयर में 32 लाख कृषक इसकी खेती से जुड़े हुए हैं, लेकिन अन्य देशों की तुलना में हमारे प्रदेश एवं देश की गन्ना उत्पादकता कम है। चीन में उत्पादित गन्ने में 13 प्रतिशत चीनी प्राप्त की जाती है, जबकि भारत में अधिकतम 10-11 प्रतिशत ही चीनी प्राप्त होती है, इसलिए देश व प्रदेश में गन्ने के क्षेत्र में कार्य किए जाने जरूरत है।

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, गुरुवार, 4 दिसम्बर 2014

आइआइएसआर वैज्ञानिक हुए सम्मानित

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिला। बीते सप्ताह चीन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन को लाइफ-टाइम उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उनके अलावा संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. ए के साह द्वारा भारत में गन्ना विकास मॉडल विषय पर प्रस्तुत शोध पत्र को सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया। संस्थान द्वारा विकसित कम्प्यूटर आधारित विशेषज्ञ प्रणाली केनडेस तथा आधुनिक गन्ना मीनों पर प्रस्तुत शोध पत्रों को भी सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार मिला। नवंम्बर 25-28, 2014 को चीन के नानिंग शहर में विकासशील देशों में चीनी एवं समेंकित उद्योगों के टिकाऊ विकास विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें डॉ. सुशील सोलोमन की अध्यक्षता में भारत के 16 गन्ना वैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों ने भाग लिया। *वसं.*

कैनविज टाइम्स
गुरुवार, 4 दिसम्बर 2014

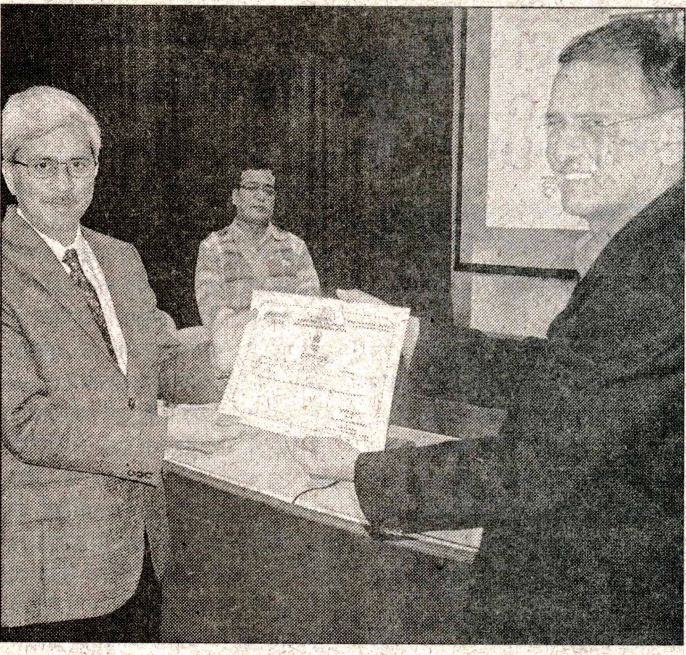

हिंदी प्रयोग के लिए पूर्वोत्तर रेलवे को मिला प्रथम पुरस्कार

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे नवगठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति लखनऊ की प्रथम छमाही बैठक बुधवार को सुशील सोलोमन निदेशक भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस बैठक के दौरान पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल को सरकारी कामकाज में सर्वाधिक व उत्कृष्ट हिंदी प्रयोग के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। जिसमें मंडल रेल प्रबंधक अनूप कुमार को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार हिंदी कार्यशालाओं के नियमित आयोजन के लिए निदेशक भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान ने डीआरएम अनूप कुमार को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 4 दिसम्बर, 2014

हिन्दी प्रयोग के लिए पूरे लखनऊ मंडल को प्रथम पुरस्कार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नवगठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (लखनऊ) की प्रथम छमाही बैठक बुधवार को सुशील सोलोमन, निदेशक भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान की अध्यक्षता में संस्थान के प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल को सरकारी कामकाज में सर्वाधिक एवं उत्कृष्ट हिंदी प्रयोग के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक अनूप कुमार को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार हिंदी कार्यशालाओं के नियमित आयोजन के लिए भी सुशील सोलोमन, निदेशक भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान ने अनूप कुमार जी को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।